ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

वर्ष 46 | अंक 15 | पृष्ठ 08 | दयानन्दाब्द 199 | एक प्रति ₹ 5 | वार्षिक शुल्क ₹250 | सोमवार, 06 फरवरी, 2023 से रविवार 12 फरवरी, 2023 | विक्रमी सम्वत् 2079 | सृष्टि सम्वत् 1960853123 | दूरभाष/ 23360150 | ई-मेल/ aryasabha@yahoo.com | इन्टरनेट पर पढ़े/ www.thearyasamaj.org/aryasandesh

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती का बजा बिगुल

संपूर्ण आर्य जगत एवं विश्व समुदाय में छाया उत्साह और उल्लास

12 फरवरी इंदिरा गांधी स्टेडियम- 9:00 बजे भव्य शुभारंभ: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वागत को आर्य समाज तैयार

सारी तैयारियां पहुंचीं अंतिम चरण में, देश और दुनिया के आर्य समाजों एवं आर्य संस्थानों में अभूतपूर्व उत्साह की लहर

भारत सहित विश्व के आर्य समाज, आर्य घरद्वार, आर्य विद्यालय, गुरुकुल, डीएवी शिक्षण संस्थान एवं समस्त आर्य प्रतिष्ठान लाइटिंग से दीपावली की तरह हुए रोशन

रोशनी से नहाया आर्य समाज मन्दिर, 15, हनुमान रोड, कनॉट प्लेस

दिवाली की तरह जगमगाया गुरुकुल कुरुक्षेत्र हरियाणा

जो आर्य समाज, आर्य घरद्वार, आर्य शिक्षण संस्थान और आर्य प्रतिष्ठान अभी लाइटिंग से नहीं सजे वें शीघ्रता से सजाएं

लाईटिंग से सुसज्जित सभी आर्य समाजों, शिक्षण संस्थाओं के सुन्दर चित्रों का पृष्ठ नम्बर 4 एवं 5 पर अवश्य अवलोकन करें

12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आगंतुक आर्यजन क्या करें और क्या न करें पृष्ठ 6 एवं 7 पर पूरा विवरण और जानकारी अवश्य पढ़ें और दूसरों को भी बताएं

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विशेष उदबोधन एवं कार्यक्रम का दूरदर्शन पर होगा सीधा प्रसारण, स्वयं देखें और दूसरों को भी प्रेरित करें

आर्यजन कृपया अवश्य ध्यान देवें

महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस पर दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ से सम्बन्धित समस्त गतिविधियों, जैसे आर्य समाज एवं घर या शिक्षण संस्थानों की सजावट के फोटो, महर्षि दयानन्द के चित्र एवं होर्डिंग के साथ लिए गए फोटो, स्टेडियम में ली गई सेल्फी आदि, सोशल मीडिया पर भेजे जाने वाले बधाई संदेश, आर्य समाजों में आयोजित कार्यक्रमों और मानव सेवा के कार्यों की फोटो हैसटैग **#dayanand 200** के साथ अवश्य शेयर करें।

वेदवाणी-संस्कृत

अमरता की ओर

वेद-स्वाध्याय

अयं होता प्रथमः पश्यतेममिदं ज्योतिरमृतं मर्त्येषु ।
अयं स जज्ञे ध्रुव आ निषत्तोऽमर्त्यस्तन्वा३ वर्धमानः ॥

-ऋक्. 6 । 9 । 4

ऋषिः-भरद्वाजो बार्हस्पत्यः॥ देवता-वैश्वानरः॥ छन्दः-त्रिष्टुप्॥

शब्दार्थ- **अयम्**=यह आत्माग्नि **प्रथमः**=पहले से विद्यमान **होता**=होता, दानादान-कर्त्ता है, हे मनुष्यो! **इमम्**=इसे **पश्यत**=देखो! **इदम्**=यह **मर्त्येषु**=हम मरने वालों में **अमृतं ज्योतिः**=कभी न मरने वाली ज्योति है। **अयं सः**=यही वह **ध्रुवः**=नित्य, स्थिर, **आनिषत्तः**=पहले से बैठा हुआ ही अग्नि **जज्ञे**=फिर प्रादुर्भूत होता है और **अमर्त्यः**=अमर्त्य, अभौतिक होकर भी **तन्वा**=अपने शरीर आदि विस्तार द्वारा **वर्धमानः**=बढ़ता है।

विनय- हे मनुष्यो! अपनी आत्मा को देखो! यह अभौतिक अग्नि है, न मरने वाला चेतन अग्नि है। यह पहले से विद्यमान 'होता' है, दान-आदान करने वाला है। भौतिक अग्नि का हवन तो हम जन्म पाने के पश्चात् करते हैं, पर यह आत्माग्नि का हवन अनादि काल से चल रहा है। हमें जो कुछ ज्ञान-बल-ऐश्वर्य का आदान मिल रहा है यह इसी आत्माग्नि के हवन से मिल रहा है। इनका देने वाला बाहर कोई नहीं है, अन्दर का होता हमारा यह आत्मा ही है। हे मनुष्यो! तुम उसे देखो! उस असली अपने-आपको देखो जो कभी न मरने वाला है। हमारे मरने पर जब और सब-कुछ राख हो जाता है, तब भी जो रहता है वह यही हमारी अमर आत्म-ज्योति है। मरने पर यह केवल अप्रकट हो जाता है, संसार की दृष्टि में छिप जाता है, किन्तु फिर जन्म होने पर यह ध्रुव, स्थिर, नित्य आत्मा, पहले से स्थिरतया बैठा हुआ ही आत्मा पुनः प्रादुर्भूत हो जाता है, जनित हो जाता है। जैसे काष्ठ जाठ अग्नि समय आने पर भूख के रूप में प्रकट हो जाता है, वैसे ही यह 'ध्रुव आनिषत्त' आत्माग्नि उत्पत्तिकाल में केवल पुनर्जनित हो जाता है। यह तब पैदा नहीं होता, किन्तु प्रकट होता है। इसीलिए, यद्यपि यह कभी न घटने-बढ़ने वाला अमर्त्य है, तो भी यह पुनर्जनित है यह केवल आत्मा का विस्तार है। स्थूल शरीर द्व रा ही नहीं किन्तु इससे बहुत अधिक अपने मनोमय व विज्ञानमय आदि आन्तर शरीरों द्वारा यह आत्माग्नि बढ़ता है, नानारूप से बढ़ता है। यह अपनी मन व बुद्धि की वृत्ति द्वारा तो इतना विस्तृत हो जाता है कि सब संसार को व्याप्त कर लेता है।

हे मनुष्यो! तुम इस अन्दर और असली अपने-आपकी ओर देखो, जिसका नानारूप से यह बाहर विस्तार हो रहा है। देखो! हम असल में यही अमृत अग्नि हैं। हमारा शरीर आदि मर्त्य विस्तार और कुछ नहीं है। यह हम अग्नियों का ही नाना प्रकार का अनित्य प्रज्वलन है, हम अग्नियों का ही नाना प्रकार का अस्थिर आत्मप्रकाश है।

हे मनुष्यों! तुम इस आत्माग्नि, को क्यों नहीं देखते? तुम अपने न जाने किन-किन मर्त्य रूपों को दिन-रात देखते हो, पर इस अमृत, असली, अपने-आपको क्यों नहीं देखते? तुम ज़रा उसे देखो तो अमर हो जाओ, अभी अमर हो जाओ।

-:साभार:- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

संपादकीय

महर्षि दयानंद जी की शिक्षाओं को अपनाने से ही होगी मानव समाज की उन्नति

आर्य समाज की आवाज बनेगी विश्व की आवाज

आर्यजगत द्वारा मनाए जाने वाले पर्वों में महर्षि दयानंद सरस्वती जी का जन्मोत्सव प्रेरणा प्रदान करने वाला प्रमुख पर्व है। और इससे भी बडी बात है कि इस वर्ष 12 फरवरी 2023 को महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस के 2 वर्षीय आयोजनों का शुभारंभ भव्य समारोह के रूप में किया जा रहा है। महर्षि दयानन्द सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 को टंकारा गुजरात में हुआ था। इस वर्ष 12 फरवरी को महर्षि का 199वां जन्मदिन है, इसके साथ ही उनकी 200वीं जयंती का शुभारंभ हो जाएगा। इस महान अवसर को लेकर सम्पूर्ण विश्व में अत्यन्त उत्साह और उल्लास का वातावरण है। 12 फरवरी को इंदिरा गांधी इन्डोर स्टेडियम में आयोजित होने वाले महर्षि की 200वीं जयंती के 2 वर्षीय आयोजनों का उदघाटन भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी स्वयं अपने करकमलों से करेंगे। यह दृश्य बड़ा अदभुत होगा, जब सम्पूर्ण आर्य जगत के प्रतिनिधि, अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य इस कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे।

महर्षि ने देश, धर्म, संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया और मानव समाज को सुदिशा देने के लिए आर्य समाज की स्थापना की थी। उनकी प्रेरणा से आज सम्पूर्ण विश्व में आर्य समाज एक विराट संगठन के रूप में सेवा के कार्य कर रहा है। इस दिन हम महर्षि के उपकारों को याद करेंगे, उनसे प्रेरणा प्राप्त करेंगे और आर्य समाज के प्रचार-प्रसार और विस्तार के लिए अपने मन को संकल्पित करेंगे। आज भी अज्ञान-अविद्या, अंधविश्वास ढोंग-पांखड पर विजय प्राप्त करने की बहुत आवश्यकता है। हम उन पर विजय पाने की योजनाओं को क्रियान्वित करेंगे। संपूर्ण विश्व में आर्य समाज लगातार मानव सेवा, राष्ट्र निर्माण और वेदों के प्रचार-प्रसार को गति प्रदान कर रहा है। हम सब महर्षि दयानंद के बताए पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहे हैं और बढ़ते रही रहेंगे। महर्षि की 200वीं जयंती पर हम आर्य समाज के सिद्धांत, मान्यताओं और आदर्श परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प धारण करें और कराएं। यही महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जयंती को मनाने की सच्ची सार्थकता है।

महर्षि ने अकेले संपूर्ण मानवजाति पर इतना बड़ा उपकार किया है कि सारा संसार मिलकर भी उनके ऋण को चुकाने में स्वयं को असमर्थ महसूस कर रहा है। आज जब भारत और विश्व इक्कीसवी सदी की ओर अग्रसर है, आधुनिक हाई-फाई शिक्षा, हाई टैक्नोलोजी के समस्त साधन-सुविधाएं सामने मौजूद हैं, फिर भी मनुष्य लगातार पतन की ओर जा रहा है, चारों तरु दुःख, पीड़ा और भारी अशांति है। आज मनुष्य चांद पर और मंगल ग्रह पर भी पहुंच गया है, लेकिन इसे धरती पर रहना नहीं आ रहा है और आए भी कैसे? जब तक महर्षि दयानंद सरस्वती जी के अनुसार मनुष्य वेदों की ओर नहीं लौटेगा, तब तक इसे दुनिया में जीना नहीं आएगा। महर्षि के संदेश-उपदेश, आदेश मानव समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं, इन पर चलकर ही व्यक्ति, परिवार, समाज, देश और दुनिया की उन्नति प्रगति संभव होगी। महर्षि दयानंद सरस्वती जी के जन्मोत्सव पर हमें अपने मन को संकल्पित करना चाहिए कि हम जन-जन तक उनके सत्यार्थ प्रकाश आदि ग्रंथों का संदेश पहुंचाएं और मानव समाज में छाए हुए अज्ञान, अविद्या, निराशा-उदासी के अंधेरों को दूर भगाएं, एक नई सोच, नई जागृति समाज में फैलाएं।

यूं तो महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जयंती समस्त आर्य समाजें, आर्य शिक्षण संस्थान इत्यादि अपने स्तर पर

- शेष पृष्ठ 3 पर

महर्षि दयानन्द सरस्वती के कुछ प्रेरक वाक्य

- **जैसे ईश्वर दयालु है वैसे मनुष्य को भी सब पर दया करनी चाहिए।**
- **जैसे ईश्वर सत्य है वैसे मनुष्य को भी सत्य मानना सत्य बोलना और सत्य ही करना चाहिए।**
- **उत्तम, धार्मिक, पुरुषार्थी मनुष्य का अचानक मिलना असंभव तो नहीं दुर्लभ अवश्य है।**
- **लोक में प्रतिष्ठा, धन बढ़ाने में तत्पर होकर विषय भोग, पुत्र के समान शिष्यों पर मोहित होना, इन तीनों ऐषणाओं का त्याग करना उचित है।**
- **किसान द्वारा श्रमपूर्वक उपार्जन किये अन्न से राजा और प्रजा का पालन पोषण होता है।**
- **पाप का प्रायश्चित उसका फल भोगे बिना नहीं हो सकता।**
- **गो आदि पशुओं के नाश होने से राजा और प्रजा का भी नाश हो जाता है।**
- **जो जन्म से लेके मरण पर्यन्त बनी रहे। जो अनेक व्यक्तियों में एकरूपता से दिखाई दे। जो ईश्वरकृत अर्थात् मनुष्य, गाय और वृक्षादि समूह है, वे 'जाति' शब्दार्थ से लिये जाते है।**

समस्त आर्य समाज परिवार को खुला सादर आमंत्रण

संपूर्ण भारत और विश्व की आर्य समाजें, आर्य सभाएं, आर्य परिवार, आर्य शिक्षण संस्थान, डी.ए.वी., गुरुकुल, कन्या गुरुकुल, आर्य विद्यालय, आर्य अनाथालय, वानप्रस्थाश्रम, संन्यास आश्रमों के अधिकारी, कार्यकर्ता, सदस्य, संपूर्ण आर्य जगत परिवार पूरे दलबल के साथ 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में महर्षि दयानंद की 200 वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस के शुभारंभ अवसर पर प्रातः 8 बजे सादर आमंत्रित हैं।

अल्प समय में, वृहद आर्य समाज परिवार के हर व्यक्ति को व्यक्तिगत निमंत्रण दे पाना कठिन है, अतः अपना निजी कार्यक्रम समझें और इस्ट परिवार और मित्रों सहित अवश्य पधारें। अगर कोई निमंत्रण पत्र आदि किसी भी प्रकार की व्यवस्था संबंधी भूल होवे तो कृपया क्षमा करें।

जैसा कि यह सर्वविदित ही है कि आर्य समाज के संस्थापक, युग प्रवर्तक, सत्य के प्रकाशक महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वीं जयंती और आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस को लेकर संपूर्ण आर्य जगत सहित मानव समाज में अत्यंत उमंग, उत्साह और उल्लास का वातावरण है। इस अवसर पर आर्य समाज द्वारा दो वर्षीय आयोजनों का शुभारंभ 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में प्रातः 9 बजे से भव्य समारोह पूर्वक आयोजित होगा। जिसका उद्घाटन स्वयं भारत राष्ट्र के माननीय, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी अपने करकमलों से करेंगे और उनका अपने चिरपरिचित अंदाज में उद्घाटन आह्वान, प्रेरक उद्बोधन होगा। जिसको भारत के कोने कोने में और विश्व की समस्त आर्य समाजें और आर्य संस्थाएं बड़ी स्क्रीन अथवा टीवी पर आर्य संदेश टीवी चौनल के माध्यम से लाइव देखेंगे। सार रूप में कहें तो यह आयोजन अपने आप में अद्वितीय, अनुपम और ऐतिहासिक रूप से सफल होगा, ऐसा आर्य समाज को पूरा विश्वास है।

12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के भव्य आयोजन की संयोजन समिति की ओर से आर्य समाज के सभी संन्यासी वृंद, वानप्रस्थी महानुभाव, आर्य समाजों के अधिकारी, कार्यकर्ता, सदस्यों, ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणी इत्यादि समस्त आर्य जनों को सादर आमंत्रण है। आप सभी महर्षि दयानंद सरस्वती के अनुयाई और आर्य समाज परिवार के सदस्य होने के नाते प्रातः 8 बजे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहुंचे और कार्यक्रम में सहभागी बनें।

प्रेरक प्रसंग

वेदज्ञान मति पापाँ खाय

दीवा बले अँधोरा जाई, वेदपाठ मति पापाँ खाई

सम्भवतः राजा हीरा सिंहजी नाभा के समय की घटना है। परस्पर एक-दूसरे को अधिक समझने की दृष्टि से महाराजा ने एक शास्त्रार्थ का आयोजन किया। आर्यसमाज की ओर से पण्डित श्री मुंशीरामजी लासानी ग्रन्थी ने यह पक्ष रखा कि सिक्खमत मूलतः वेद के विरुद्ध नहीं है। इसका मूल वेद ही है। एक ज्ञानी जी ने कहा-नहीं, सिक्खमत का वेद से कोई सम्बंध नहीं। श्री मुंशीरामजी ने प्रमाणों की झड़ी लगा दी। निम्न प्रमाण भी दिया गया-

इसपर प्रतिपक्ष के ज्ञानी जी ने कहा यहाँ मति का अर्थ बुद्धि नहीं अपितु मत (नहीं) अर्थ है, अर्थात् वेद के पाठ से पाप नहीं जा सकता अथवा वेद से पापों का निवारण नहीं होगा। बड़ा यत्न करने पर भी वह मति का ठीक अर्थ बुद्धि न माने तब श्री मुंशीरामजी ने कहा ''भाईजी! त्वाड्डी तां मति मारी होई ए।'' अर्थात् 'भाईजी आपकी तो बुद्धि मारी गई है।'

इसपर विपक्षी ज्ञानी जी झट बोले, ''साड्डी क्यों त्वाडी मति मारी गई ए।'' अर्थात् हमारी नहीं, तुम्हारी मति मारी गई है। इसपर पं. मुंशीराम लासानी ग्रन्थी ने कहा, ''बस, सत्य-असत्य का निर्णय अब हो गया। अब तक आप नहीं मान रहे थे अब तो मान गये कि मति का अर्थ बुद्धि है। यही मैंने मनवाना था। अब बुद्धि से काम लो और कृत्रिम मतभेद भुलाकर मिलकर सद्ज्ञान पावन वेद का प्रचार करों ताकि लोग आस्तिक बनें और अन्ध कार व अशान्ति दूर हो।''

-प्रो. राजेन्द्र जिज्ञासु

साभार :

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी : पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

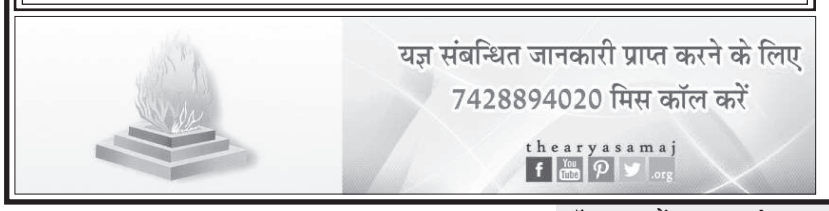

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की
200वीं जयंती पर शुभकामनाओं के बैनर
अपने घर, आर्य समाज और क्षेत्र में
अच्छे स्थानों पर लगवायें

साइज 3 x 2 फुट
मूल्य ₹500 में 25 बैनर

संपर्क करें : 9650183336, 9540040339
वैदिक प्रकाशन
15, हनुमान रोड, नई दिल्ली

पृष्ठ 2 का शेष

पूरी शक्ति और सामर्थ्य से मनाते आए हैं। परंतु महर्षि की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस के 2 वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इन्डोर स्टेडियम में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का उदघाटन, उदबोधन अपने आपमें अनुपम सिद्ध होगा, ऐसा हमारा पूरा विश्वास है। यह 2 वर्षों तक चलने वाले आयोजनों की प्रेरणा और मार्गदर्शन बनेगा। हम सभी आर्यजनों को आर्य समाज की आवाज को विश्व की आवाज बनाने के लिए इस कार्यक्रम के प्रति जो जहां पर हैं उसे वहीं से प्रयासरत होना चाहिए। इसके लिए जो कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं, वे सम्मिलित होवें और जो दूरी ज्यादा होने के कारण नहीं पहुंच पा रहे हैं वे लाइव देखें और सुनें तथा अपने मन को आर्य समाज के उत्थान के लिए संकल्पित करें।

संपादक

धन्य है तुझको ऐ ऋषि, तूने हमें जगा दिया, सो सो के लुट रहे थे हम, तूने हमें बचा लिया

महर्षि की 200वीं जयंती पर रोशनी से जगमगाती दिल्ली की आर्य समाजें

आर्य समाज, बाहरी रिंग रोड, विकासपुरी

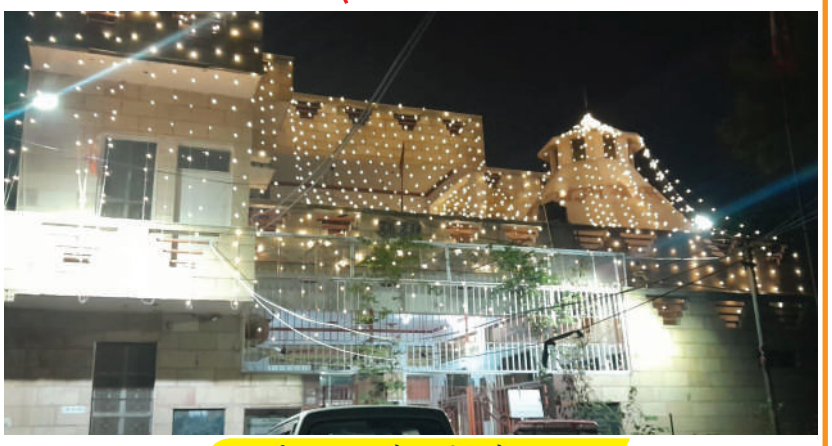

आर्य समाज रोहिणी, सेक्टर-7

आर्य समाज डी. ब्लाक विकासपुरी

आर्य समाज ए. ब्लाक जनकपुरी

आर्य समाज रोहतास नगर, शाहदरा

आर्य समाज अमर कालोनी

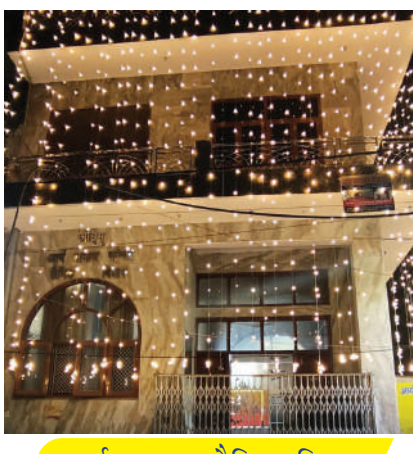

आर्य समाज सैनिक विहार

आर्य समाज मयूर विहार

आर्य समाज दीवान हाल

आर्य समाज, सी.पी. ब्लाक पीतम पुरा

आर्य समाज, सुन्दर विहार

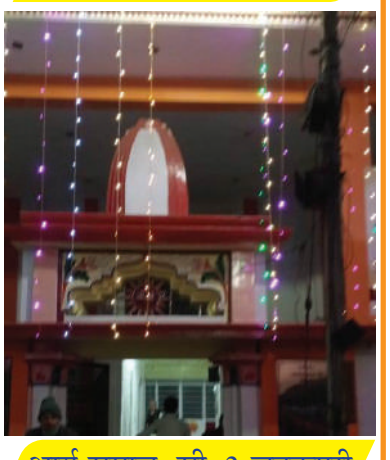

आर्य समाज, सी-3 जनकपुरी

महापुरुष जन्म लेंगे सूना न जहां होगा, ऋषि देव दयानंद सा दुनिया में कहां होगा

भारत के विभिन्न राज्यों में रोशनी से नहाए आर्य समाज एवं शिक्षण संस्थान

आर्य प्रतिनिधि सभा, हरि. मुख्यालय

आर्य समाज देहरादून, उत्तराखण्ड

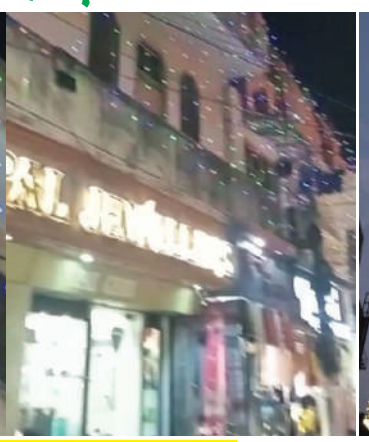

जे.बी.एम. मुख्यालय, गुड़गांव

आत्मानन्द वैदिक गुरुकुल, मलारना, सवाईमाधोपुर राज.

गुरुकुल कुरुक्षेत्र, हरियाणा

आर्य समाज ओम् योग संस्थान ट्रस्ट, पाली, फरीदाबाद हरि.

आर्य बाल कल्याण केन्द्र, भड़गांव

आर्य समाज एल. ब्लाक, हरि नगर

आर्य समाज, नागलोई

आर्य समाज पूर्वी पंजाबी बाग

आर्य समाज, यमुना विहार

आर्य समाज, लाजपत नगर

आर्य समाज, कीर्ति नगर

12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी स्टेडियम में पहुंचने की आवश्यक जानकारियां एवं दिशा निर्देश अवश्य पढ़ें और उन पर अमल करें

आर्यजन कृपया अवश्य ध्यान दें

महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस पर दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ से सम्बन्धित समस्त गतिविधियों, जैसे आर्य समाज, घरद्वार या शिक्षण संस्थानों की सजावट के फोटो, महर्षि दयानन्द 200 के चित्र एवं होर्डिंग के साथ लिए गए फोटो, स्टेडियम में ली गई सेल्फी आदि, सोशल मीडिया पर भेजे जाने वाले बधाई संदेश, आर्य समाजों में आयोजित कार्यक्रमों और मानव सेवा के कार्यों की फोटो हैसटैग #dayanand 200 के साथ अवश्य शेयर करें।

समय से पूर्व पहुंचे

- ❒ स्टेडियम में समारोह स्थल पर प्रवेश द्वार प्रातः 7:00 बजे खोल दिए जाएंगे एवं 9:00 बजे के बाद सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिये जाएंगे।
- ❒ इसलिए सभी आर्यजन 8:00 बजे तक अवश्य पहुंच जाएं।

आर्यजनों से विशेष निवेदन

- ❒ अपने स्थान से चलने से पूर्व सभी के नाश्ते का प्रबंध अवश्य कर लेवें और चलती बस/कार में ही सब नाश्ता करें।
- ❒ अपनी बस की नम्बर प्लेट की फोटो भी खींच लेना उचित होगा। जिससे किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो
- ❒ बस में अपनी आर्य समाज के सेवक को अवश्य बैठाकर लायें ताकि बाद में उससे सम्पर्क करने में आसानी हो।
- ❒ अपना कोई एक सरकारी फोटो पहचान पत्र साथ लेकर आयें। बच्चों का आधार कार्ड या विद्यालय का पहचान पत्र लेकर आयें। 5 वर्ष से छोटे बच्चों को साथ न लाएं।
- ❒ सभी बस एवं कारों पर 200 वीं जयंती का बैनर और ओम ध्वज अवश्य लगाकर आएं

कार्यक्रम में कैसे सजकर आएं

- ❒ गले में पीत वस्त्र, सिर पर पगड़ी अथवा टोपी और हाथ में ओ३म् ध्वज लेकर महर्षि का जय-जयकार करते, भजन गाते और जयघोष करते हुए आएं
- ❒ सभी को एक विशेष बैंड दिया जाएगा, जिसे हांथ में पहनकर आना है, यह बैंड प्रवेश द्वार पर ही होगा
- ❒ इस महान ऐतिहासिक अवसर पर अपने परिवार के सभी सदस्यों, इष्ट-मित्रों और पड़ोसियों को भी साथ लेकर आएं। विशेषकर बच्चों और युवाओं की भागीदारी बहुत जरूरी है, इसलिए युवाशक्ति को साथ लेकर आएं

स्टेडियम में क्या साथ न लाएं

- ❒ स्टेडियम में कोई भी बैग, धातु की वस्तु, जैसे कि चाकू आदि ले जाने की अनुमति नहीं है। छोटे लेडीज पर्स, बेल्ट, और मोबाइल ले जा सकते हैं।
- ❒ भोजन, पानी की बोतल भी अन्दर नहीं जाएगी

भोजन के विषय में

- ❒ कार्यक्रम के पश्चात सभी को भोजन के पैकेट दिए जाएंगे
- ❒ पानी की भी अन्दर ही व्यवस्था रहेगी
- ❒ भोजन का कूपन आपको प्रवेश द्वार पर ही मिल जाएगा
- ❒ कूपन के पीछे अपना नाम और फोन नम्बर लिखकर देवें

बस एवं कार की पार्किंग हेतु निर्देश

- ❒ सभी बस एवं कार राजघाट की ओर से ही आएंगी
- ❒ बस एवं कार की पार्किंग राजघाट पर ही होगी
- ❒ स्टेडियम में आर्य जनों का प्रवेश 7 और 8 नंबर गेट से ही होगा
- ❒ गाड़ी की रिमोट वाली चाबी के साथ स्टेडियम में प्रवेश बिल्कुल वर्जित है
- ❒ रिमोट वाली चाबी अपने ड्राइवर को दें या वैले के पास ही जमा करके आएं

मैट्रो से आने वालों के लिए

- ❒ मैट्रो से आने वाले महानुभावों के लिए आई. टी. ओ. मैट्रो स्टेशन से निशुल्क बस तथा ई रिक्शा का किराया 10 रुपए होगा
- ❒ ये दोनों साधन स्टेडियम में आने और जाने के समय उपलब्ध रहेंगे

कार्यक्रम के विषय में

- ❒ जब तक प्रधानमंत्री जी कार्यक्रम में रहेंगे तब तक अपनी सीट से न स्वयं उठें और न ही आस-पास किसी को उठने देवें।
- ❒ प्रधानमंत्री जी के प्रस्थान के पश्चात् भी दोपहर 1:00 बजे तक सुंदर, प्रेरक और भव्य कार्यक्रम चलता रहेगा। अतः अपने स्थान को न छोड़ें।
- ❒ प्रातः 7:00 बजे से यज्ञ शुरू हो जाएगा
- ❒ स्टेडियम में विशेष सेल्फी सेन्टर भी निर्मित किए गए हैं, जहां आप महर्षि दयानन्द की फोटो के साथ सेल्फी लेकर हैसटैग #dayanand 200 के साथ शेयर करना न भूलें
- ❒ सभी लोग महर्षि की महिमा के भजन और जयघोष करते हुए शान्ति के साथ प्रवेश करेंगे

आवश्यक जानकारियां एवं दिशा निर्देश

भारत और विदेशों के आर्यजनों से निवेदन

❒ दिल्ली के बाहर भारत के कोने-कोने और विदेशों की आर्य समाजों, आर्य सभाओं,शिक्षण संस्थाओं, आर्य प्रतिष्ठानों एवं आर्य परिवारों के लोग जो दिल्ली नहीं आ रहे हैं, वे सभी महानुभाव 12 फरवरी 2023 को प्रातः 9:00 बजे अपने आर्यसमाज/आर्य संस्थान में एल.ई.डी. स्क्रीन अथव टी.वी. पर आर्य संदेश टी.वी. चैनल चलाकर पूरा कार्यक्रम लाइव देखें और इस ऐतिहासिक आयोजन के साक्षी बनें। अपने समूह की फोटो लेकर हैसटैग #dayanand 200 के साथ अवश्य शेयर करें।

कार्यक्रम के पश्चात ध्यान रखने योग्य बातें

❒ ध्यान रहे कि यह हमारा कार्यक्रम है और इसकी सफलता हमारे हाथ में ही है।

❒ कार्यक्रम की समाप्ति लगभग 1:30 बजे होगी, समाप्ति के पश्चात् सभी आगन्तुक अपने निकटवर्ती निकास द्वार से धीरे-धीरे बाहर निकलेंगे।

❒ उमंग, उत्साह और उल्लास के साथ ही अनुशासन और व्यवस्था का स्वयं ही ध्यान रखेंगे

पहले मैं, पहले मै नहीं, पहले आप, पहले आप का व्यवहार अपनाएं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता दें

200 वीं जयंती पर कुछ विशेष नारे

महर्षि की 200 वीं जयंती, आर्य समाज की नयी क्रांति

महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 की जयंती और आर्य समाज का 150 वां स्थापना दिवस, दोनों ऐतिहासिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए 12 फरवरी 2023 को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ अवसर पर आर्य जन महर्षि की महिमा और आर्य समाज के गौरवशाली इतिहास की गूंज को जन-जन तक पहुंचाने हेतु सारगर्भित, प्रेरक नारों का उद्घोष करें, मधुर भजनों का गान करें और उमंग उत्साह और उल्लास का परिचय देवें।

❒ सबसे प्यारा, सबसे न्यारा, महर्षि का 200 वां पर्व हमारा
❒ हम आर्य समाजी आर्य बनाएं, विश्वधारा को दिशा दिखाएं
❒ महर्षि का 200 वां जन्मदिवस है, आर्यजनों का प्रेरणा पर्व है
❒ जब चारों तरफ अंधेरा था, तब ऋषि सवेरा लाया था
❒ महर्षि की 200 वीं जयंती, आर्य समाज की नयी क्रांति
❒ घर घर वेद पहुंचाएंगे, सत्यार्थ प्रकाश पढ़ाएंगे
❒ 10 लोगों को नया जोड़ कर कीर्तिमान बनाएंगे
करोड़ों की संख्या को अरबों तक पहुंचाएंगे
❒ महर्षि की शिक्षाओं को जन जन तक पहुंचाएंगे
200वीं जयंती को 2 वर्षों तक मनाएंगे
❒ धन्य है तुझको ऐ ऋषि, तूने हमें जगा दिया,
सो सो के लुट रहे थे हम, तूने हमें बचा लिया

ध्यान रहे यह शुरुआत है, दो वर्ष तक चलेंगे आयोजन
12 से 19 फरवरी 2023 तक सप्ताह भर करें मानव सेवा के आयोजन

★ आर्य समाजों में विशेष यज्ञ, सत्संग, बच्चों की प्रतियोगिताएं और अन्य प्रेरक आयोजन करें
★ सोशल मीडिया पर महर्षि दयानंद की 200वीं जयंती के बधाई संदेश और शिक्षाओं का प्रचार करें
★ हैसटैक दयानंद 200 के साथ जुड़ें और सभी को जोड़ें तथा प्रत्येक आयोजन की तस्वीरें शेयर करें
★ महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए उनके द्वारा रचित सत्यार्थ प्रकाश एवं अन्य साहित्य वितरण करें
★ मानव कल्याण के लिए रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करें
★ आसपास के सरकारी अस्पतालों में निर्धन रोगियों को फल आदि वितरित करें
★ सेवा बस्तियों में ऋषि लंगर चलाएं और आवश्यक वस्त्र एवं अन्नादि वितरित करें

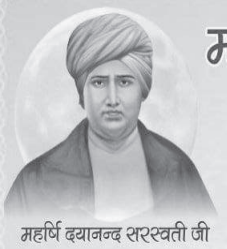

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200 वीं 1824-2024

जयंती के आयोजनों के लिए अपना सहयोग भेजें

Account Name	: Delhi Arya Pratinidhi Sabha
Account Number	: 911010029770685
IFSC Code	: UTIB0002193
Bank	: Axis Bank
Branch	: Connaught Place, New Delhi

अपनी सहयोग राशि उपरोक्त बैंक खाते में जमा करके बैंक-रसीद की फोटो खींच कर पर अपना नाम, पते एवं PAN नंबर के साथ 9540040388 पर व्हाट्सएप करें

(आयकर धारा 80जी के अंतर्गत कटौती योग्य)

अधिकांश रूप से यह अनुभव किया जाता है कि स्थान विशेष पर या समय विशेष पर वैदिक सूक्तियों और प्रेरक सुभाषितों की आवश्यकता होती है। जैसे स्कूल में, गौशाला में, आश्रमों में, खेल के स्थानों पर, पर्व, उत्सव, सम्मेलन, महासम्मेलन, प्रभात फेरी, शोभायात्रा आदि में प्रेरणाप्रद प्रमाणिक वाक्य लिखने के लिए हम समय-समय पर विचार करते हैं। किन्तु उस समय पर हमें वह उपयोगी मैटर मिल नहीं पाता। अतः आर्य संदेश के सुधी पाठकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शास्त्रोक्त वचनों के प्रचार-प्रसार हेतु हमने एक नियमित कालम प्रारम्भ किया है। जिसमें हर बार कुछ सूक्तियां निरंतर प्रकाशित करने का प्रयास किया जाएगा। -संपादक

वैदिक सूक्तियां

१३- यज्ञशाला में-

यज्ञो वै श्रेष्ठतम कर्म -शतपथ०
(यज्ञ ही सबसे श्रेष्ठ कर्म है।)

स्वर्ग कामो यज्ञेत -शतपथ०
(स्वर्ग की कामना वाला यज्ञ करे।)

अयं यज्ञस्य भुवनस्य नाभिः -ऋ०
(यज्ञ ही इस भुवन की नाभि है।)

यज्ञो वै विष्णु
(यज्ञ ही विष्णु है।)

आयुर्यज्ञेन कल्पताम -यजु०
(यज्ञ से आयु की प्राप्ति होती है।)

त्रयो धर्मस्कंधः
यज्ञाध्ययनदानमिति प्रथमः
(धर्म के तीन स्कंध है
-यज्ञ, अध्ययन और दान।)

देवान यज्ञेन बोधय
-अथर्व-19-6-31

जुहुतो प्र च तिसठता
-अथर्व-1-15

प्रंचम यज्ञं प्रणायत सखायः
-ऋग्वेद-10-10-2

सोमवार 06 फरवरी, 2023 से रविवार 12 फरवरी, 2023
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि. नं0 डी. एल. (एन. डी.)- 11/6071/2021-22-2023
LPC, DRMS, दिल्ली-6 में पोस्ट करने की तिथि 08-09-10 फरवरी, 2023 (बुध-वीर-शुक्रवार)
पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2021-2023
आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 08 फरवरी, 2023

भारत ही नहीं विदेशों में भी सजें हैं महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती पर आर्य समाज एवं आर्य संस्थाएं

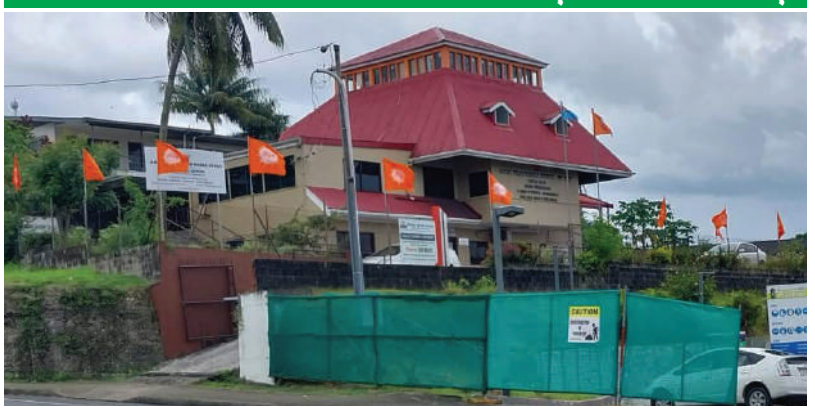

आर्य समाज फिजी के भवन पर लहराते ओ३म् ध्वज

महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती पर त्रिनीडाड में छाया उल्लास

आर्य समाज त्रिनीडाड में महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती को लेकर उल्लास का वातावरण है। वहां के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य महर्षि और आर्य समाज का जय-जयकार करते हुए अत्यन्त उल्लासित दिखाई दे रहे हैं। उपरोक्त चित्र में हर आयु वर्ग के आर्यजन परस्पर बधाई देते हुए।

ओ३म्
भारत में फेले सम्प्रदायों की निष्पक्ष एवं तार्किक समीक्षा के लिए
उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षण मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ **सत्यार्थ प्रकाश** सत्य के प्रचारार्थ

प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23x36%16	मुद्रित मूल्य ₹60	प्रचारार्थ ₹40
विशेष संस्करण (सजिल्द) 23x36%16	₹100	₹60
पॉकेट संस्करण	₹80	₹50
विशिष्ट पॉकेट संस्करण	₹150	₹100
स्थूलाक्षर (सजिल्द) 20x30%8	₹150	₹100
उपहार संस्करण	₹1100	₹750
सत्यार्थ प्रकाश अंग्रेजी अजिल्द	₹200	₹130
सत्यार्थ प्रकाश अंग्रेजी सजिल्द	₹250	₹170

प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं

कृपया एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द जी की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें..

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph : 011-43781191, 09650522778
E-Mail : aspt.india@gmail.com

प्रतिष्ठा में,

महर्षि दयानन्द की 200वीं जयंती पर अमेरिका में उत्साह की लहर

महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना दिवस के दो वर्षीय आयोजनों के शुभारंभ 12 फरवरी 2023 को लेकर आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के अधिकारी, कार्यकर्ता और सदस्य अत्यन्त उत्साह में हैं। उपरोक्त चित्र में परस्पर सामूहिक रूप से बधाई देते हुए आर्य पुरुष एवं महिलाएं।

JBM Group stands committed towards creating value for all our stakeholders and consistently building sustainable business models via innovation and customer orientation programs, thereby creating stronger synergies for all our businesses.

Technology has been the bed rock and a key catalyst for our growth. Our persistence towards achieving excellence has transformed us and we have amalgamated our strengths and R&D acumen to make our products & services future-ready, through the power of People, Innovation and Technology.

JBM Group - Plot No.9, Institutional Area, Sector 44, Gurgaon – 122 002
91-124-4674500-550 | www.jbmgroup.com

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व संपादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा विद्या दर्शन ऑफसैट प्रिंटर्स, यूनिट नं.-21, प्रधान कॉम्पेक्स, मेन रोड मंडावली, दिल्ली-92 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001, फोनः 23360150, 23365959, E-mail : aryasabha@yahoo.com, Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित
● सम्पादकः धर्मपाल आर्य ● सह सम्पादकः विनय आर्य ● व्यवस्थापकः शिवकुमार मदान ● सह व्यवस्थापकः आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह